Roll No. ..... Total No. of Printed Pages : 7

Code No. : B04-309

Fourth Semester Online Examination, May-June, 2022

M. A. HINDI

Paper III

vk/kfud lkfgR;k - II

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट :
- जिन प्रश्न पत्रों में साहित्यिक कृतियों के पाठ सम्मिलित नहीं हैं, उनके लिए अंक विभाजन का प्रारूप प्रत्येक इकाई में प्रत्येक प्रश्न का भाग A एवं B अति लघुत्तरी प्रश्न हैं, जिनके उत्तर एक या दो वाक्यों में हों।
- प्रत्येक प्रश्न के भाग C (लघुत्तरी प्रश्न) व भाग D (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) के उत्तर निर्देशानुसार शब्द सीमा 150-200 एवं 300-350।

इकाई-I

1. (A) कवि ने 'बावरा अहेरी' कविता में किसे 'बावरा अहेरी' कहा है? 2

(B) 'कलगी बाजरे की' कविता में कवि ने किनके मैले होने की बात कही है? 2

(C) सबसे उधार माँगा, सबने दिया, 4

यों मैं जिया और जीता हूँ

क्योंकि यही सब तो है जीवन–

गरमाई, मिठास, हरियाली, उजाला,

गन्धवाही मुक्त खुलापन,

लोच, उल्लास, लहरिल प्रवाह,

और बोध भव्य निर्व्यास निस्सीम का:

ये सब उधार पाये हुए द्रव्य।

अथवा

यह वह विश्वास नहीं, जो अपनी लघुता में भी काँपा,

वह पीड़ा, जिसकी गहराई को स्वयं उसी ने नापा;

कुत्सा, अपमान, अवज्ञा के धुँधुआते कड़वे तम में

यह सदा द्रवित, चिरजागरूक, अनुरक्त नेत्र,

उल्लम्ब-बाहु, यह चिर अखंड अपनापा।

जिज्ञासु, प्रबुद्ध, सदा श्रद्धामय, इसको भी भक्ति को दे दो:

(D) प्रयोगवादी प्रवृत्तियों के परिप्रेक्ष्य में अज्ञेय के काव्य की समीक्षा उपयुक्त उदाहरण देते हुए कीजिए। 12

अथवा

'नदी के द्वीप' कविता का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

इकाई-II

2. (A) मुक्तिबोध के प्रथम काव्यसंग्रह का प्रकाशन किस सन् में हुआ? 2

(B) 'अँधेरे में' कविता किस संग्रह की है? 2

(C) वह रहस्यमय व्यक्ति 4

अब तक न पाई गई मेरी अभिव्यक्ति है,

पूर्ण अवस्था वह

निज-सम्भावनाओं, निहित प्रभावों, प्रतिभाओं की

मेरे परिपूर्ण का आविर्भाव,

हृदय में रिस रहे ज्ञान का तनाव वह,

आत्मा की प्रतिमा

अथवा

पहुँचना होगा दुर्गम पहाड़ों के उस पार

तब कहीं देखने मिलेंगी हमको

नीली झील की लहरीली थाहें

जिसमें कि प्रतिपल काँपता रहता

अरुण कमल एक,

धँसना ही होगा

झील के हिम-शीत सुनील जल में,

जादुई झील को करनी ही होगी मेरी प्रतीक्षा।

(D) 'मुक्तिबोध मनुष्य की अपराजेयता के पक्षधर एक जुझारू कवि हैं।' इस कथन के आलोक में मुक्तिबोध के काव्य की समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

'अँधेरे में' कविता के शिल्पगत वैशिष्ट्य की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

इकाई-III

3. (A) 'खुरदुरे पैर' कविता में कवि ने किसके पैरों को खुरदुरे कहा है? 2

(B) 'सिन्दूर तिलकित भाल' कविता किसको सम्बोधित कर लिखी गयी है? 2

(C) देखेंगे आज जी भरकर 4

उगते सूरज का अरुण-अरुण पूर्ण-बिम्ब

जाने कब से नहीं देखा था शिशु भास्कर

आओ रत्नेश्वर, कृतार्थ हों हमारे नेत्र!

देखना भई, जल्दी न करना

लौटना तो है ही

मगर यह कहाँ दिखता है रोज़-रोज़

सोते ही बिता देता हूँ शत-शत प्रभात।

अथवा

सिकुड़ गई रग-रग

झुलस गया अंग-अंग

बनाकर ठूँठ छोड़ गया पतझार

उलंग असगुन-सा खड़ा रहा कचनार

अचानक उमगी डालों की सन्धि में

छरहरी टहनी

पोर-पोर में गसे थे टूसे

यह तुम थीं

(D) 'नागार्जुन लोकजीवन के कुशल चितेरे हैं।' इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए। 12

अथवा

नागार्जुन के काव्यगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

इकाई-IV

4. (A) 'प्यार' कविता में स्वाभिमान-मानवता का किससे नाता बताया गया है? 2

(B) 'जीवन का एक लघु प्रसंग' कविता में बुआ ने बच्चे का दान किसे किया? 2

(C) भाषाओं के अगम समुद्रों का अवगाहन 4

मैंने किया, मुझे मानव-जीवन की माया

सदा मुग्ध करती है, अहोरात्र आवाहन

सुन सुनकर धाया-धूपा, मन में भर लाया

ध्यान एक से एक अनोखे, सब कुछ पाया

शब्दों में, देखा सब कुछ ध्वनि-रूप हो गया

मेघों ने आकाश घेरकर जी भर गाया।

अथवा

मैंने कहा कि चन्दा, पढ़ लेना अच्छा है

ब्याह तुम्हारा होगा, तुम गौने जाओगी,

कुछ दिन बालम संग साथ रह चला जायेगा जब कलकत्ता

बड़ी दूर है वह कलकत्ता

कैसे उसे सँदेशा दोगी

कैसे उसके पत्र पढ़ोगी

चम्पा पढ़ लेना अच्छा है !

(D) 'त्रिलोचन समग्र चेतना के कवि हैं।' इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए। 12

अथवा

त्रिलोचन के काव्य के शिल्पगत वैशिष्ट्य को सोदाहरण उद्घाटित कीजिए।

❐ ❐ ❐ ❐ ❐ d ❐ ❐ ❐ ❐ ❐